सेना भर्ती कार्यालय ने जारी किया एग्जाम शेड्यूल, मोबाइल पर आएगा एडमिट कार्ड

अग्निवीर भर्ती... तारीखों का ऐलान, 30 जून से परीक्षा, 16 से मोबाइल पर एडमिट कार्ड

भास्कर न्यूज | वाराणसी

अग्निवीर भर्ती के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे युवाओं के इंतजार की घड़ियां समाप्त हो गई है। सेना भर्ती कार्यालय ने अग्निवीर के लिए विभिन्न पदों पर होने वाली परीक्षा की तिथियां जारी कर दी है। 30 जून से परीक्षा शुरू होगी, 16 जून से एडमिट कार्ड मिलना शुरू हो जाएगा।

सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल शैलेश ने बताया कि अग्निवीर में छह पदों के पर भर्ती के लिए सेना की तरफ से परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। परीक्षा सेंटर के चयन की प्रकिया अभी चल रही है। वाराणसी और गोरखपुर में परीक्षा केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव है। अभ्यर्थी को उसके मोबाइल पर नीयत तिथि पर एडमिट कार्ड उपलब्ध होगा। मोबाइल पर एडमिट कार्ड नहीं आने पर सेना भर्ती कार्यालय से संपर्क करें।

जानिए किस दिन परीक्षा, कब मिलेगा एडमिट कार्ड

- **जनरल ड्यूटी**: 30 जून से 03 जुलाई तक (16 को एडमिट कार्ड मिलेगा)
- **ट्रेडमैन**: 03 और 04 जुलाई (18 को एडमिट कार्ड मिलेगा)
- **टेक्नीशियन**: 04 जुलाई (19 को एडमिट कार्ड मिलेगा)
- **ट्रेडमैन (आठवीं पास)**: 07 जुलाई (23 जून को एडमिट कार्ड मिलेगा)
- **क्लर्क टाइपिस्ट**: 10 जुलाई (26 जून को एडमिट कार्ड मिलेगा)
- **क्लर्क**: 10 जुलाई (26 को एडमिट कार्ड मिलेगा)

इस बार वाराणसी समेत पूर्वांचल के 12 जिलों गोरखपुर, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, सोनभद्र, आजमगढ़, बलिया, भदोही, मऊ, मिर्जापुर और देवरिया के अभ्यर्थी अग्निवीर भर्ती परीक्षा में शामिल होंगे।

सर्वाधिक आवेदन गाजीपुर, सबसे कम सोनभद्र से

इस बार अग्निवीर में दो पदों पर भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन का मौका दिया गया है। जनरल ड्यूटी के साथ ही टेक्नीशियन के पद के लिए आवेदन मांगे गए। इस वजह से पिछली बार की तुलना में 9078 अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं। सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक शैलेश कुमार ने बताया कि इस बार सर्वाधिक गाजीपुर से 11 हजार 401 रजिस्ट्रेशन हुए जबकि सबसे कम आवेदन 358 सोनभद्र से जिला से हुआ है।

13 भाषाओं में होगी परीक्षा

सेना में अग्निवीर की भर्ती के लिए इस बार 13 भाषाओं हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मलयालम, तमिल, तेलगु, कन्नड़, पंजाबी, मराठी, गुजराती, बंगाली और असमी भाषा में अभ्यर्थी परीक्षा दे सकेंगे। ऐसा पहली बार हुआ है जब क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा होगी।